सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 84 | जौनपुर, गुरूवार, 14 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली की हवा हुई जहरीली

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की वायु गुणवत्ता इस सीजन में पहली बार गंभीर हो गई, वायु गुणवत्ता सूचकांक 466 तक पहुंच गया। अक्षरधाम क्षेत्र में एक्यूआई 466 दर्ज किया गया है, इसे गंभीर श्रेणी में रखा गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 36 निगरानी स्टेशनों में से 30 ने वायु गुणवत्ता को गंभीर श्रेणी में बताया। मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी का 24 घंटे का औसत एक्यूआई हर दिन शाम 4 बजे दर्ज किया गया, जो मंगलवार को 334 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शून्य और 50 के बीच एक AQI को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच गंभीर और और 450 से ऊपर गंभीर प्लस। बुधवार सुबह 9 बजे, हवा की गुणवत्ता 366 रीडिंग के साथ बहुत खराब थी। दिल्ली में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दिल्ली हवाई अड्डे पर दृश्यता शून्य हो गई, जबकि पूरे क्षेत्र में हवाएं शांत रहीं।

आईएमडी ने कहा कि शहर का तापमान मंगलवार के 17.9 डिग्री सेल्सियस से गिरकर बुधवार सुबह 17 डिग्री सेल्सियस (63 डिग्री फारेनहाइट) हो गया।

चार दिवसीय संस्कृति महाकुंभ का राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी उदघाटन

नई दिल्ली, एजेसी। भाग्यनगर के नाम से प्रसिद्ध हैदराबाद शहर एक वैश्विक सांस्कृतिक महोत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। शहर के हाईटेक सिटी स्थित शिल्पकला वेदिका का विशाल प्रांगण लोकमंथन –भाग्यनगर–2024 के लिये सजने लगा है। इसी परिसर में 21 से 24 नवंबर के बीच लोकमंथन के नाम से ऐसा ग्लोबल सांस्कृतिक महोत्सव होने जा रहा है, जिसमें देश और दुनिया की सांस्कृतिक छटा के विविध रंग बिखरने वाले हैं। 22 नवंबर को महोत्सव का विधिवत उदघाटन भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू जी करने वाली हैं।

लोकमंथन है जे. नंदकुमार की संकल्पना

लोकमंथन जिस वैचारिक संस्था की उपज है, उसका नाम है– प्रज्ञा प्रवाह। उसी प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संयोजक हैं जे. नंदकुमार जी। लोकमंथन का विचार जे. नंदकुमार जी की बौद्धिक परिकल्पना का सार्थक परिणाम है।

समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में वर्षों तक पूर्णकालिक बनकर घूम रहे नंदकुमार के पास उम्र और अनुभव का खजाना है। वे भारतीय संस्कृति के विविध रुपों और आयामों से गहरे तौर पर जुड़े हैं। बातचीत के दौरान उनकी समझ से कोई भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। उपर से सादगी मन मोह लेती है।

बिहार की पुरानी सोच भी बदली और अप्रोच भी बदला - पीएम मोदी

दरभंगा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां कहा कि बिहार के बारे में अब लोगों की सोच भी बदली है और अप्रोच भी बदला है। उन्होंने कहा कि पहले जिन योजनाओं की केवल चर्चा होती थी अब वह वास्तविकता में जमीन पर उतर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को दरभंगा में आयोजित एक कार्यक्रम में 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली योजनाओं का उपहार बिहार को दिया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने स्वर कोकिला शारदा सिन्हा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि शारदा सिन्हा ने लोकगीत को नया आयाम दिया। उन्होंने अपने गीतों से छठ जैसे महापर्व को देश और दुनिया तक पहुंचाया। पीएम मोदी ने इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जमकर तारीफ की। प्रधानमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार में जो सुशासन का मॉडल दिया वह अद्भुत है। बिहार को जंगलराज से बाहर निकालने में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए सरकार में छोटे किसानों और छोटे उद्योगों को महत्व देकर विकास की धारा बही है। एयरपोर्ट और एक्सप्रेस–वे से विकास हो रहा है। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर को याद करते हुए कहा कि अब युवा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई कर इंजीनियरिंग

और मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में सबसे बड़ी आबादी गरीब और मध्यम वर्गीय की है। बीमारी भी इसी वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, इसलिए इस वर्ग की कमाई की सबसे ज्यादा खर्च बीमारी पर होता है। हम लोग भी इसी वर्ग से निकले हैं। इसलिए जानते हैं कि अगर घर का कोई शख्स बीमार पड़ता है तो कैसे पूरे परिवार पर संकट आ जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले के जमाने में सरकार सिर्फ वादे और दावे करती थी। बिहार में नीतीश कुमार के शासन से पहले क्या था। नीतीश कुमार के शासन में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हुई। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि देशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना और उनके जीवन को आसान बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने लोगों के स्वस्थ रहने की चर्चा करते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट चलाया जा रहा है। बीमारियों की आम वजह गंदगी, दूषित खानपान और खराब जीवनशैली होती है। इसलिए स्वच्छ भारत अभियान, हर घर शौचालय और नल से जल जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं।

राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में बिकता है बंटवारे का सामान - जेपी नड्डा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई दक्षिण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि हालही में पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। ये बहुत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाला फैसला है। इसके लिए आप सभी को बहुत–बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि भाजपा का मुंबई से विशेष नाता है, क्योंकि जब भाजपा की स्थापना हो रही थी तब संतानगर में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि भारत के पश्चिमी छोर पर जहां महासागर भारत को मंडित करता है, वहां मैं ये साहस करता हूं कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। नड्डा ने कहा कि भाजपा ने देश को मजबूत करने का काम किया। एक समय मेक

इन इंडिया पहल का मजाक उड़ाया गया था और अब यह हमारी सफलता का कारण बन रहा है। वही मेक इन इंडिया हमें आत्मनिर्भर बना रहा है। इसलिए, गंभीर राजनीतिक निर्णय का देश और इसकी अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ा। उन्होंने कहा कि आज 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुके हैं। ये इसलिए हुआ क्योंकि, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुफ्त राशन मिल रहा है। अब कोई भी भूखा नहीं सोता है। इसी तरीके से आयुष्मान भारत योजना के तहत 55 करोड़ गरीब लोगों को सालाना 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है। जेपी नड्डा ने कहा कि हमने गरीबों को सशक्त बनाने पर काम किया। हमसे अक्सर वित्तीय सहायता प्रदान करने के बारे में सवाल किया जाता है, और हम उन्हें बताते हैं कि हम कभी भी दान नहीं करते, हम हमेशा गरीबों को सशक्त बनाते हैं। हमारी कल्याणकारी योजनाएं गरीबों को लाभ पहुंचाने में कोई भेदभाव नहीं करतीं। आईएमएफ का अब कहना है कि भारत में अत्यधिक गरीबी 1: से भी कम हो गई है। साथ ही 25 करोड़ लोगों को बीपीएल से ऊपर उठाया गया है। नड्डा ने कहा कि 1971 में, श्रीमती गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण करते हुए दावा किया कि यह गरीबों और कृषि समाज की भलाई के लिए किया जा रहा है। 1971 से 2015 तक सिर्फ 3 करोड़ लोगों के ही बैंक में खाते थे। हालाँकि, जब मोदी जी पीएम बने तो उन्होंने सुनिश्चित किया कि लोग शून्य बैलेंस के साथ खाते खोल सकें और इसके परिणामस्वरूप 53 करोड़ बैंक खाते बन गए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो गया – अखिलेश यादव

कानपुर, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा, उससे बड़ी टिप्पणी कोई और नहीं हो सकती। सपा मुखिया अखिलेश यादव बुधवार को कानपुर उपचुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की और एक चुनावी जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि आज के बाद उनका बुलडोजर हमेशा के लिए गैराज में खड़ा हो जाएगा, अब किसी गरीब का घर नहीं टूटेगा। इस सरकार का जो बुलडोजर प्रतीक बन गया था, उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है, उसके लिए धन्यवाद देता हूं।

सीसामऊ भाजपा को शीशा भी दिखाएगा और आईना भी। नाइंसाफी की भी एक उम्र होती है, नहीं तो आज तक अच्छाई जिंदा नहीं रहती। भाजपा याद रखे, न तो अन्यायी अमर होते हैं, न अन्याय। उन्होंने कहा कि बंटोगे तो कटोगे नारा अनकंस्टीट्यूशनल है, अनडेमोक्रेटिक है। निगेटिव लोग ही ऐसा नारा दे सकते हैं। अंग्रेज तो चले गए। लेकिन, उनके वचन वंशी आज भी हैं, जो ऐसा नारा दे रहे हैं। इतनी लूट और भ्रष्टाचार कभी नहीं हुआ होगा, जितना उत्तर प्रदेश में हुआ है इस बार। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जो हमें संविधान दिया है, वह संविधान हमारी ढाल है, सुरक्षा है, हमें शक्ति देता है। जो हमें नौकरी और पढ़ाई में आरक्षण मिल रहा था, ये लोग उससे भी खिलवाड़ कर रहे हैं। यह जो नकारात्मक नारे हैं, कभी जनता स्वीकार नहीं कर सकती है। इस बार निगेटिव पॉलिटिक्स को कोई हराने जा रहा है तो पीडीए की आवाज है वो।

कांग्रेस की चार पीढ़ियां भी नहीं समाप्त कर सकती धारा 370 – सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी महाराष्ट्र दौरे पर रहे। उन्होंने एक भारत–श्रेष्ठ भारत बनाने वाली भाजपा के लिए मतदाताओं से समर्थन मांगते हुए महायुति व महाअघाड़ी गठबंधन के फर्क को समझाया। बोले कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना–शिंदे गुट, एनसीपी– अजीत पवार गुट) मिलकर महाराष्ट्र के विकास के लिए कार्य कर रहा है, जबकि महाअघाड़ी के पास ऐसी गाड़ी है, जिसमें स्टेयरिंग नहीं है। उस गाड़ी के टायर भी गायब हो गए हैं। ड्राइविंग सीट पर बैठने के लिए आपस में छीनाझपटी हो रही है। कांग्रेस के नेतृत्व में समाज व राष्ट्रदोही तत्वों को गले का हार बनाने वाले महाअनाड़ी गठबंधन के पास न नीति है और न ही देश को आगे बढ़ाने की नीयत। इनके पास नैतिक बल भी नहीं है। अनैतिक अनाड़ी गठबंधन के रूप में महाअघाड़ी चुनावी समर में है। यह लोग मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पर चलकर देश की क्षति करना चाहते हैं। सीएम योगी ने बुधवार को कारंजा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती सईप्रकाश डहाके, वाशिम विधानसभा से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े, उल्हासनगर विधान सभा से भारतीय जनता पार्टी ने कुमार उत्तम चंद आयलानी, मीरा भाईंदर से उम्मीदवार नरेंद्र लालचंद जी मेहता, ओवला माजीवाड़ा से शिवसेना शिंदे गुट के प्रताप सरनाइक के लिए जनसभा की।

अमित शाह का ऐलान, डंके की चोट पर वक्फ कानून में संशोधन करेगी मोदी सरकार

महाराष्ट, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि डंके की चोट पर नरेंद्र मोदी सरकार वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन करेगी, चाहे कुछ भी हो और उसके बाद कोई भी निजी भूमि को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं कर पाएगा। शाह ने कहा कि महा विकास अघाड़ी बदलावों के खिलाफ है, लेकिन वक्फ बोर्ड के संबंध में कानून में संशोधन का विधेयक जल्द ही संसद में पारित किया जाएगा। शाह ने काह कि अभी–अभी हमारी सरकार ने वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन का बिल रखा। भाजपा नेता ने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस शासित कर्नाटक में गांव के गांव वक्फ की संपत्ति घोषित कर दिए गए। कई मंदिर, लोगों के घर, किसानों की जमीन भी वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गईं, लेकिन वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के बाद आपकी जमीन वक्फ नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार वक्फ कानून डंके की चोट पर बदलने

वाली है फिर किसी की जमीन या घर को वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जाएगा। ये आजाद भारत है और ऐसा करने की इजाजत किसी को नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी–अभी उलेमाओं का एक बड़ा हुजूम महाराष्ट्र में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से मिला और उनको आवेदन पत्र देकर मांग की कि मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। शाह ने कहा कि इस देश में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा चुका है, और अगर कांग्रेस मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती हैं, घ्तो किसी का आरक्षण काटना पड़ेगा। ये ओबीसी, दलित, आदिवासी का आरक्षण काटकर अपने वोट बैंक को देंगे। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। घाटकोपर की जनता से कह कर जाता हूं कि जिनता जोर लगाना है, राहुल बाबा और कंपनी लगा लो, ओबीसी, दलित, आदिवासियों के आरक्षण की सुरक्षा हम करेंगे। वक्फ अधिनियम 1995, मूल रूप से वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन इसे कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण के मुद्दों पर लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ा है।

केंद्र सरकार के कारण दरभंगा एम्स के निर्माण में विलंब हुआ – तेजस्वी

पटना, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दरभंगा एम्स का शिलान्यास किया। दूसरी तरफ राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि दरभंगा एम्स पहले ही बन गया होता, केंद्र सरकार के कारण विलंब हुआ। राजद के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को मुजफ्फरपुर रवाना होने से पहले कहा कि हमलोग दरभंगा के शोभन में जमीन लेकर गए थे। यह लोग डीएमसीएच परिसर में ही बनाना चाहते थे। हम लोग चाहते थे कि एम्स डीएमसीएच में ना बने, बाहर जाकर बने ताकि शहर का विकास हो सके। डीएमसीएच तो धरोहर रहा है, राज्य सरकार खुद विस्तार करने का काम कर रही है। डीएमसीएच भी बनेगा और एम्स बनेगा, जो भी विलंब हुआ, वह केंद्र सरकार के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि सारा काम तो हमलोग का किया हुआ है। यह लोग तो मना कर रहे थे। हम लोग ने इसके लिए केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखी थी। सबकुछ ऑन रिकॉर्ड है कि किसकी बदौलत क्या हो रहा है। इससे पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा कि विकास कार्यों में भाजपा की सोच सीमित और छोटी है। उनकी सीमित सोच में राजनीति के अलावा और किसी के लिए जगह नहीं है। स्वास्थ्य जैसे गंभीर विषय पर भाजपाइयों से दूरदर्शिता की अपेक्षा करना बेकार है। जिस तरह दरभंगा एम्स के लिए भाजपाई डीएमसीएच कैंपस पर ही अड़े थे, वह यह दर्शाता था कि उनके दिमाग में राजनीति के अलावा कुछ नहीं है। जो स्थल हमने बिहार के उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री रहते दरभंगा एम्स के लिए सुझाया था।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट – दिशानिर्देशों का पालन किए बिना तोड़फोड़ नहीं होगी

नई दिल्ली, एजेसी। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए बुधवार को कहा कि उसने संविधान में दिए गए उन अधिकारों को ध्यान में रखा है, जो राज्य की मनमानी कार्रवाई से लोगों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को यह पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता।

अधिकारियों को जवाबदेही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए

कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने शक्ति के विभाजन पर विचार किया है और यह समझा है कि कार्यपालिका और न्यायपालिका अपने–अपने कार्यक्षेत्र में कैसे काम करती हैं। न्यायिक कार्यों को न्यायपालिका को सौंपा गया है और न्यायपालिका की

जगह पर कार्यपालिका को यह काम नहीं करना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा, अगर कार्यपालिका किसी व्यक्ति का घर केवल इस वजह से तोड़ती है कि वह आरोपी है, तो यह शक्ति के विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है। कोर्ट ने कहा कि जो सरकारी अधिकारी कानून को अपने हाथ में लेकर इस तरह के अत्याचार करते हैं, उन्हें जवाबदेही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

किसी निर्दोष को घर से वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कार्यपालिका (सरकारी अधिकारी) किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती और न ही वह जज बन सकती है, जो किसी आरोपी की संपत्ति तोड़ने पर फैसला करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी व्यक्ति को अपराध का दोषी ठहराने के बाद उसके घर को तोड़ा जाता है, तो यह भी गलत है, क्योंकि कार्यपालिका का ऐसा कदम उठाना अवैध होगा और कार्यपालिका अपने हाथों में कानून ले रही होगी। कोर्ट ने कहा कहा कि आवास का अधिकार एक मौलिक अधिकार है और किसी निर्दोष व्यक्ति को इस अधिकार से वंचित करना पूरी तरह असंवैधानिक होगा।

किसी विध्वंस से 15 दिन पहले जारी होना चाहिए नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी भी संपत्ति का विध्वंस तब तक नहीं किया जा सकता, जब तक उसके मालिक को पंद्रह दिन पहले नोटिस न दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि यह नोटिस मालिक को पंजीकृत डाक के जरिए से भेजा जाएगा और इसे निर्माण की बाहरी दीवार पर भी चिपकाया जाएगा। नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, उल्लंघन का विवरण और विध्वंस के कारण बताए जाएंगे। इसके अलावा, विध्वंस की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी की जाएगी और अगर इन दिशा–निर्देशों का उल्लंघन होता है तो यह कोर्ट की अवमानना मानी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने और आकांक्षाओं का परिणाम होता है। घर सुरक्षा और भविष्य की एक सामूहिक आशा का प्रतीक है और अगर इसे छीन लिया जाता है, तो अधिकारियों को यह साबित करना होगा कि यह कदम उठाने का उनके पास एकमात्र विकल्प था।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले जारी किया था अंतरिम आदेश

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश जारी किया था, जिसमें अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि जब तक कोर्ट से अगला आदेश न मिले, तब तक वे किसी भी तरह के विध्वंस अभियान को रोंके। हालांकि, यह आदेश अवैध निर्माणों खासतौर पर सड़क और फुटपाथ पर बने धार्मिक ढांचों पर लागू नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी धार्मिक संरचना को सड़कों के बीच में नहीं बनना चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक मार्गों में रुकावट डालता है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर गौर किया था कि किसी व्यक्ति पर अपराध का आरोप लगने या उसे दोषी ठहराए जाने के आधार पर उसके घरों और दुकानों को बुलडोजर से तोड़ने का कोई आधार नहीं है। जस्टिस बी. आर. गवाई ने कहा था, हम एक धर्म निरपेक्ष देश हैं, जो भी हम तय करते हैं, वह सभी नागरिकों के लिए करते हैं। किसी एक धर्म के लिए अलग कानून नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा था कि किसी भी समुदाय के सदस्य के अवैध निर्माण को हटाया जाना चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म या विश्वास का हो।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई थी आपत्ति

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक (संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ) ने सितंबर में शीर्ष से कहा था कि सजा के तौर पर किए जाने वाले विध्वंस को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन माना जा सकता है। ऐसी कार्रवाइयां अल्पसंख्यक समुदायों के खिलफ अपमानजनक व्यवहार के रूप में हो सकती हैं और यह राज्य के हाथों जमीन हड़पने का एक तरीका बन सकती हैं।

संपादकीय

सुनने का धैर्य

आज के समय में हम सभी एक कटु सत्य से दो चार हो रहे हैं। वह यह है कि सब अपनी–अपनी कहना चाहते हैं, मगर कोई किसी को धीरज से सुनना नहीं चाहता है । जब भी कभी दो लोगों को बात करते हुए देखें तो यही लगता है कि अपनी बात को कह देने की इतनी जल्दी है उनमें कि वे सामने वाले को सुनने की इच्छा नहीं रखते हैं। कई बार तो ऐसा साफ दिखाई दे जाता है कि कहने वाला बेचारा बोलतो रहा होता है, पर उसके सामने श्रोता बने हुए बहुत कम लोग होते हैं, जो सचमुच उसको सुन रहे होते हैं। कई लोग सामने बैठ तो जाते हैं, मगर पल में ही कहीं खो जाते हैं। वे न तो बोलने वाले से आंखें मिला पाते हैं, न उसके संवेदनशील रवैये पर गौर फरमाते हैं और न ही उसके कहे का कोई निचोड़ निकालते हैं । वे बस शरीर रूप में उसके सामने रहते हैं । पर कुछ भी सुनते नहीं हैं। अगर किसी वजह से ध्यान चला गया, तो बोलने वाले को इससे गहरी ठेस पहुंचती है। वह अपने शब्द समायोजित करके कुछ महत्त्वपूर्ण बात साझा करना चाहता होगा, मगर जो लोग सिर्फ दिखावे के लिए सिर हिला रहे थे, वे दरअसल कुछ सुन नहीं रहे थे। किसी मसले पर अपनी कहने वाला व्यक्ति शायद किसी आशा और भरोसे से आया होगा। मगर सुनाने वाला व्यक्ति अंत में समझ जाता है कि वह ठगा गया। हां–हां, हूं– हूं आदि का सुंदर हुंकारा भरते हुए सामने वाला अपनी आगे की योजना बना रहा था या अपने ही निजी जीवन के किसी खयाल में गुम था । उसने वह सब सुना ही नहीं, जिसके लिए उससे उम्मीद की जा रही थी। कहने वाले का समय अनमोल था। उसकी ऊर्जा अनमोल थी। सब व्यर्थ चला गया। ऐसी घटना से अगर आप और हम दो–चार हो रहे हैं तो यह कोई अनोखी बात नहीं है। गौर से सुनने का धीरज अब बहुत लोग सचमुच खोते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिक भी यह प्रमाणित कर रहे हैं कि सुनने की एकाग्रता अब महज नब्बे सेकंड की रह गई है। एक प्रसंग है, जिसमें एक विश्वविद्यालय के थियेटर में एक महत्त्वपूर्ण विषय पर सेमिनार हो रहा था । आमंत्रित छात्रों के सामने चालीस मिनट का पहला व्याख्यान हुआ। फिर दो सवाल किए गए। पहला यह कि इस व्याख्यान में बताए गए चार बिंदु कौन–कौन से हैं। दूसरा प्रश्न यह था कि इस व्याख्यान को गौर से सुनने के बाद आपको क्या – क्या याद आया । इन दोनों ही सवालों के जवाब में श्सुईपटक सन्नाटाश छा गया था। सेमिनार के विषय का सहारा लेकर कुछ ने संदर्भहीन बिंदु बताए, मगर वे गलत थे। उस व्याख्यान को दोबारा चलाया गया, जो सेमिनार के विषय से एकदम अलग था। अब वहां पर उपस्थित विद्यार्थियों को शर्मिंदगी महसूस हुई। यह कमोबेश हर सेमिनार या सभा का बुरा हाल रहता होगा, इसीलिए परिणाम निल बटे सन्नाटा रहता है । आजकल बहुत सारे लोग किसी बात को बढ़ा–चढ़ा कर कहते हुए भी मिल जाते हैं। उनका दावा होता है कि वे हमेशा खुद को ताजा जानकारियों से अद्यतन रखते हैं... सारी दुनिया को अपने मोबाइल में लिए घूमते हैं और हर बात उनको पता है। वे कहते हैं कि हम तकनी से जुड़े हर मंच को समझते हैं। अगर एक पल के लिए इस पर भरोसा कर भी लिया जाए तो इसका सच थोड़ा अलग होता है। आभासी मंचों पर जो सुन रहा होता है, वह कौन है और क्या प्रतिक्रिया दे रहा है, उसकी पहचान ठीक–ठीक मालूम नहीं होती। वह आभासी दुनिया है । उस आभासी जगत में एक श्इमोजीश भी जवाब मान लिया जाता है। लेकिन हमारा चलता–फिरता समाज, हमारा घर, परिवार, संबंधी, मित्र, कालोनी के लोग, दफ्तर के सहकर्मी, क्लब के सदस्य आदि हमसे सीधे ही संपर्क में रहते हैं। याद किया जा सकता है कि हमने कब और किस दिन उनकी कही बात को गौर से सुना और गुना था । ईमानदार होकर खुद को जवाब दिया जाना चाहिए । हमारे अपनों से किया गया वार्तालाप ही हमको वह बनाता है, जिसकी हम बात करते हैं। मिसाल के तौर पर अगर अभिभावक अपने बच्चों की अभिव्यक्ति को नजरअंदाज कर देते हैं तो आगे जाकर बच्चे भी उनसे कोई आशा नहीं रखते। वे अपने भविष्य की कोई योजना उनसे साझा करना पसंद नहीं करते। एक फिल्म आई थी– श्दिल धड़कने दोश। उस फिल्म की बुनियाद यही है कि एक परिवार इसलिए अलग–थलग सा हो गया कि उस घर में आपस में कोई ठीक से न सुनता है, न अपनी राय देता है। सुनने – सुनाने के मामले में इसीलिए गलतफहमी पनपने लगती है। दरअसल, संबंध गहरे तभी होते हैं, रिश्तों में गरमाहट तभी रहती है, जब हम किसी कहने वाले की बात सुनकर उसे निराशा से बाहर लाएं। जरूरी नहीं कि हर बार कोई अपनी परेशानी ही बता रहा हो । कुछ लोग अच्छी बातें और अपने जोश के चर्चे भी करते हैं। एक बार एक मजदूर ने अपने मित्र से कुछ खास बात कही। मगर सुनने वाले की अपनी ही व्यस्तता थी, अलग प्राथमिकता थी। वह उसकी बात को आधे– अधूरे कान से सुनकर चला गया और जब कहने वाले ने कुछ ही देर बाद पूछा कि, श्अभी तो मैंने कहा था... तुमने सुना नहीं।श सुनने वाले ने कहा, श्हां, कारखाना बंदर खा गयाश। यही कहा था। नहीं, मैंने कहा था कि कारखाना बंद रखा गया है और आज अवकाश है। पर तुम काम पर चले गए। कहने वाले को कितना बुरा लगा कि उसकी बात हल्के कान से सुनी गई। सच यह है कि किसी को गौर से सुनने के लिए वक्ता के शब्द के साथ–साथ रहना होता है। उसके तेवर को पकड़ कर उसके मन को छूना होता है। तभी हम पूरे संदर्भ से किसी बात को समझ पाते हैं। किसी ने जो कहा उसे हमने वैसे का वैसा ही सुना। इसका दावा तभी कर पाते हैं।

विज्ञान की प्रगति में चूहों का अहम योगदान

आदित्य

वैज्ञानिक एक सदी से भी अधिक समय से चिकित्सा अनुसंधान में चूहों का उपयोग कर रहे हैं। चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने में उनका योगदान अतुलनीय है। इंसुलिन की खोज से लेकर विभिन्न बीमारियों के लिए टीकों और उपचारों के विकास तक, चूहों ने वैज्ञानिकों को मानव शरीर को समझने और नए उपचार विकसित करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चिकित्सा अनुसंधान में चूहों का उपयोग क्यों किया जाता है इसका एक मुख्य कारण यह है कि वे मनुष्यों के साथ कई जैविक और शारीरिक समानताएं साझा करते हैं। उदाहरण के लिए, चूहों का हृदय, श्वसन और तंत्रिका तंत्र मनुष्यों के समान होता है, जो उन्हें मानव रोगों और उपचारों के अध्ययन के लिए एक आदर्श मॉडल बनाता है। चिकित्सा अनुसंधान में चूहों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान इंसुलिन की खोज थी, जिसका उपयोग डॉक्टर मधुमेह के इलाज के लिए करते हैं। 1922 में, टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यह प्रदर्शित करने के लिए चूहों का उपयोग किया कि डॉक्टर मानव रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने के लिए कुत्तों के अग्न्याशय से निकाले गए इंसुलिन का उपयोग कर सकते हैं। इस खोज ने मधुमेह के उपचार में क्रांति ला दी और अनगिनत लोगों की जान बचाना जारी रखा। चूहों ने कई संक्रामक रोगों के लिए टीकों और उपचारों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए, पोलियो वैक्सीन विकसित करने के लिए चूहों का उपयोग किया गया था, जिसने दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बचाई है। चूहों का उपयोग इबोला वायरस, एचआईवी और अन्य घातक संक्रामक रोगों का अध्ययन करने के लिए भी किया गया है, जिससे शोधकर्ताओं को यह समझने में मदद मिली कि ये वायरस कैसे काम करते हैं और नए उपचार विकसित करते हैं। संक्रामक रोगों के अलावा, चूहों का उपयोग कैंसर, हृदय रोग और अल्जाइमर और पार्किंसंस रोग जैसे तंत्रिका संबंधी विकारों का अध्ययन करने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने इन बीमारियों के लिए नए उपचार विकसित करने और उनके विकास में योगदान देने वाले अंतर्निहित तंत्र का अध्ययन करने के लिए चूहों का उपयोग किया है। जबकि कुछ लोग चिकित्सा अनुसंधान में जानवरों के उपयोग पर सवाल उठा सकते हैं, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जानवरों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए अध्ययन में चूहों का उपयोग नैतिक समितियों द्वारा अत्यधिक विनियमित और देखरेख किया जाता है। इसके अलावा, चूहों के उपयोग से अनगिनत चिकित्सीय सफलताएँ प्राप्त हुई हैं जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को बचाया और बेहतर बनाया है। विश्व चूहा दिवस हमारी दुनिया में चूहों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने और उसका जश्न मनाने का एक अवसर है। वे चिकित्सा और मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान विषयों के रूप में कार्य करते हैं और शिकार और बीज फैलाने वाले के रूप में महत्वपूर्ण पारिस्थितिक भूमिका निभाते हैं। चूहों की कुछ प्रजातियों को कीस्टोन प्रजाति भी माना जाता है, जिसका अर्थ है कि उनकी उपस्थिति या अनुपस्थिति पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है। विश्व चूहा दिवस का एक मुख्य लक्ष्य जिम्मेदार चूहे के स्वामित्व को बढ़ावा देना और इन शानदार जानवरों के बारे में मिथकों और रूढ़ियों को दूर करना है। उदाहरण के लिए, पालतू चूहे साथी जानवरों के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, जो अपने स्नेही और चंचल व्यक्तित्व के लिए जाने जाते हैं। हालाँकि, बहुत से लोग चूहों की स्वच्छता या स्वभाव के बारे में गलत धारणाओं के कारण उन्हें अपनाने से झिझकते हैं। विश्व चूहा दिवस पर, दुनिया भर के चूहे प्रेमी अपने प्यारे पालतू जानवरों की तस्वीरें और कहानियाँ और चूहों की देखभाल और कल्याण के बारे में शैक्षिक संसाधन साझा करते हैं। कई संगठन इस दिन का उपयोग मानवीय कीट नियंत्रण विधियों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए भी करते हैं जो चूहों को नुकसान नहीं पहुंचाते या मारते नहीं हैं। विश्व चूहा दिवस सभी जानवरों का सम्मान करने और उनकी सराहना करने के महत्व की याद दिलाता है, भले ही उनका आकार कुछ भी हो या मनुष्यों के लिए उनकी उपयोगिता कुछ भी हो। जैसा कि हम जलवायु परिवर्तन और नुकसान जैसी चुनौतियों का सामना करना जारी रख रहे हैंजैव विविधता के लिए, हमें सभी प्रजातियों के मूल्य को पहचानना चाहिए और एक अधिक दयालु और टिकाऊ दुनिया बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। निष्कर्षतः, चिकित्सा अनुसंधान में चूहों के योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। इंसुलिन की खोज से लेकर विभिन्न बीमारियों के लिए जीवन रक्षक टीके और उपचार विकसित करने तक, चूहों ने चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अजरबैजान में चल रही जलवायु वार्ता

विनोद

जलवायु परिवर्तन के ज्वलंत मुद्दों पर विचार करने के लिए पार्टियों के सम्मेलन का 29वां शिखर सम्मेलन अजरबैजान के बाकू में शुरू हुआ, जहां वाशिंगटन के शीर्ष जलवायु दूत ने ट्रम्प की जीत के बावजूद जलवायु कार्रवाई जारी रखने का आश्वासन दिया। जलवायु–अस्वीकारवाद और जलवायु वकालत का विरोध करने वाले कुछ वर्गों से लेकर उन मुद्दों के वित्तीयकरण तक, जिनके लिए समुदाय और शासन की पहल की आवश्यकता है, हम ऐसे बिंदु पर पहुंच गए हैं जहां देरी की कीमत मानव जीवन से चुकाई जाती है। बढ़ते उत्सर्जन में सबसे कम योगदान देने वाले, भारत जैसे देश जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से जूझ रहे हैं। गर्मी के तनाव, बाढ़, मूसलाधार बारिश, जंगल की आग आदि के कारण कमजोर समुदाय प्रभावित होते हैं। अब, नुकसान और क्षति के मुद्दे विकसित दुनिया के दरवाजे खटखटा रहे हैं – तूफान हेलेन और मिल्टन से लेकर फ्लोरिडा और स्पेन में बाढ़ तक। ब्व्दे की बैठकें करीब 30 वर्षों से हो रही हैं। पेरिस समझौते 2015 में, राष्ट्रों ने एक बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया था – वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना, एक ऐसा लक्ष्य जो लगातार मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि 2024 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष होने की राह पर है। जलवायु परिवर्तन ने विशेष रूप से प्रकृति से जुड़े क्षेत्रों के सीधे संपर्क में रहने वाले समुदायों को प्रभावित किया है। भारत में, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्य, जहाँ बड़ी संख्या में स्वदेशी आबादी है, सबसे अधिक असुरक्षित बने हुए हैं। चिंताओं के बावजूद, 11 नवंबर को, जब वार्ता शुरू हुई, सरकारों ने अंतर्राष्ट्रीय कार्बन बाजारों के लिए नए संयुक्त राष्ट्र मानकों को मंजूरी दी। लगभग 200 देशों ने संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतर्राष्ट्रीय बाजार की स्थापना के लिए कई महत्वपूर्ण आधारभूत नियमों पर सहमति व्यक्त की। सेंटर फॉर इंटरनेशनल लॉ की वरिष्ठ वकील एरिका लेनन ने गोद लेने की प्रक्रिया को ष्मौलिक रूप से अनुचितष कहा। लेनन ने कहा कि यह लोगों या ग्रह के लिए शायद ही कोई ष्जीतष थी। आर्ट 6.4 पर्यवेक्षी निकाय की सिफारिशों पर पिछले दरवाजे से डील करके ब्व्29 की शुरुआत करना पारदर्शिता और उचित शासन के लिए एक खराब मिसाल कायम करता है। कार्बन मार्केट वॉच की नीति विशेषज्ञ ईसा मुल्डर ने कहा, ष्पहले दिन पूर्ण अधिवेशन के दौरान अत्यधिक संवेदनशील और विवादास्पद मुद्दों पर इन नियमों को अपनाने से देशों और पर्यवेक्षकों के लिए मुद्दों पर बहस करने के लिए महत्वपूर्ण समय कम हो जाता है।ष ग्लोबल फॉरेस्ट कोएलिशन की सौपर्णा लाहिरी ने कहा कि इससे बड़े तेल, प्रदूषणकारी कॉरपोरेट्स और संयुक्त राष्ट्र के स्थानों पर उनके पूर्ण वर्चस्व की सांठगांठ उजागर हुई है। बाजारों की प्रमुख आलोचनाओं में से एक कार्यप्रणाली पर है। इन बाजारों को अतिरिक्तता और रिसाव की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। देश और निजी खिलाड़ी अपने पक्ष में नियमों को मोड़ने में सक्षम रहे हैं, कुछ बलिदान क्षेत्रों के रूप में समाप्त हो रहे हैं, जिनका उपयोग क्रेडिट जमा करने के लिए किया जाता है, जबकि प्रदूषक समुदायों को लाभ पहुँचाए बिना कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों का उत्सर्जन करते रहते हैं। 2023 में, तीन प्रकाशनों द्वारा की गई जांच से पता चला कि वेरा, एक रजिस्ट्री द्वारा सत्यापित वर्षावन ऑफसेट क्रेडिट का 90 प्रतिशत से अधिक वास्तविक कार्बन कटौती का प्रतिनिधित्व नहीं करता था। इसने यह देखना विशेष रूप से महत्वपूर्ण बना दिया है कि पार्टियाँ नए सामूहिक परिमाणित लक्ष्य को कैसे निर्धारित करती हैं। यह नया वार्षिक जलवायु वित्तपोषण लक्ष्य है, जिसका उद्देश्य वर्ष के अंत में मौजूदा +100 बिलियन की प्रतिज्ञा समाप्त होने पर परिचालन करना है। ळ77 और विकासशील देशों के सहयोगियों ने जलवायु वित्त पाठ के पहले मसौदे को अस्वीकार कर दिया है। जब जलवायु वित्तपोषण लक्ष्यों की बात आती है तो विकासशील देशों ने विकसित देशों पर अविश्वास करना शुरू कर दिया है, क्योंकि ये देश 2020 के बाद से शायद ही कभी उन्हें पूरा कर पाए हैं। चूंकि इन

लक्ष्यों को उच्च मात्रा में तय किया जाना है, इसलिए विकसित देश जटिल वित्तीय तंत्र और साधनों के लिए कमर कस रहे हैं जो निजी पूंजी को सीधे योगदान देने के बजाय इन लक्ष्यों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। इस लक्ष्य को अंतिम रूप देने का क्या मतलब है? कानूनी नीति शोधकर्ता कांची कोहली ने मुझे बताया, भारत सहित राष्ट्रीय सरकारों की वित्त और जिम्मेदारी के बारे में मांगों में योग्यता है। हालांकि, विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए डिजाइन की गई देश की प्रक्रियाओं और परियोजनाओं पर भी यही सिद्धांत लागू होने चाहिए।ष वैश्विक जलवायु वित्त की मांग को सभी स्तरों पर ऋण–मुक्त वितरण में बदलना चाहिए। जलवायु वित्त को ऋण–संचालित विकास के इतिहास से अपने सबक सीखने चाहिए।

भारतीयों की उम्मीदों और सपनों को प्रभावित करेगा

संजय

इंग्लिश चौनल के बर्फीले पानी में 40 वर्षीय भारतीय की मौत एक और याद दिलाती है कि संयुक्त राज्य अमेरिका एकमात्र ऐसा देश नहीं है जो खुद से युद्ध कर रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स के 127 देशों में 105वें स्थान पर रहने वाले भारतीय, अस्तित्व की लड़ाई में और भी अधिक गहराई से लगे हुए हैं, जो देश के शासकों और मीडिया द्वारा इतनी दृढ़ता से नजरअंदाज किए जाने के कारण और भी अधिक क्रूर है। ऐसा करना सभी के लिए – भारतीयों और बाकी दुनिया के लिए – बहुत ही अदूरदर्शी होगा। अटलांटा में हाल ही में एक रैली में श्री ट्रम्प ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका अब एक अधिकृत देश है। लेकिन 5 नवंबर, 2024 को, वह अमेरिका में मुक्ति दिवस होगा।ष मुक्ति का मतलब संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में उनका फिर से चुना जाना था। यह न तो यहाँ है और न ही वहाँ। न ही चीनी सामानों पर दंडात्मक आयात शुल्क लगाने की उनकी धमकी वास्तव में मायने रखती है (सिवाय, शायद, चीनी लोगों के)। लेकिन "अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान" चलाने के वादे को भी ऐसे समय में अनदेखा नहीं किया जा सकता है जब दुनिया मुख्य रूप से इसलिए आगे बढ़ रही है क्योंकि भारत जैसे देश घर पर कोई बढ़िया अवसर प्रदान नहीं करते हैं। सच है, यह खतरा मुख्य रूप से लैटिनो लोगों पर लक्षित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि भारतीय अमेरिका में प्रवासियों के सबसे बड़े समूहों में से एक के रूप में उभर रहे हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं हो सकती कि श्री ट्रम्प की धमकी न्यूयॉर्क की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के ऊँचे वादे से मुकरती है और अमेरिका को अप्रवासियों की भूमि के रूप में देखने की धारणा को धोखा देती है। लेकिन वे उस नीति के व्यावहारिक निहितार्थों को अनदेखा करने का दिखावा नहीं कर सकते हैं जिसे हाल के अभियान के दौरान इतनी बार दोहराया गया कि यह एक रैली का नारा बन गया। इस साल की शुरुआत में मिल्वौकी में रिपब्लिकन कन्वेंशन में ट्रम्प के वफादारों ने "अभी सामूहिक निर्वासन!" लिखे हुए संकेत लहराए और "उन्हें वापस भेजो" के नारे लगाए। इससे पहले, 2015 में, उन्होंने उन अप्रवासियों को बाहर रखने के लिए अमेरिका–मेक्सिको सीमा पर एक "महान दीवार" बनाने का संकल्प लिया था, जिन्हें उन्होंने "बलात्कारी" और ड्रग डीलर के रूप में अपमानित किया था। चुनाव के अंतिम सप्ताहों में, उन्होंने फिर से अप्रवासियों के साथ–साथ पहले से ही वहां मौजूद लोगों के खिलाफ अपना गुस्सा निकाला। शायद इसकी कुछ प्रतिध्वनि भारत तक भी पहुंची जब अमित शाह ने बांग्लादेशी अप्रवासियों को ष्दीमकष बताया। ऐसा नहीं है कि उन्होंने अपनी योजनाओं के बारे में ठोस विवरण दिया है, लेकिन सार्वजनिक टिप्पणियों और साक्षात्कारों में, राष्ट्रपति–चुनाव और उनके सहयोगियों, जिनमें उनके कठोर आव्रजन एजेंडे के वास्तुकार और एक प्रभावशाली सलाहकार स्टीफन मिलर शामिल हैं, ने एक दृष्टिकोण का खाका तैयार किया है जो प्रोजेक्ट 2025 के साथ मेल खाता है, जो कि दक्षिणपंथी हेरिटेज फाउंडेशन के नेतृत्व में 900 से अधिक पृष्ठों का राष्ट्रपति पद का परिवर्तन खाका है। कुछ लोगों को डर है कि इस रणनीति के कार्यान्वयन में आव्रजन प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा के लिए अमेरिकी सैनिकों का उपयोग और युद्धकालीन शक्तियों का प्रयोग शामिल हो सकता है। श्री ट्रम्प ने खुद राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर के 1954 के अभियान का हवाला दिया है। ष्ऑपरेशन वेटबैकष नाम दिया गया, इसमें अमेरिकी नागरिकों सहित मैक्सिकन मूल के सैकड़ों हजारों लोगों को घेरना और निर्वासित करना शामिल था। कई लोगों को डर है कि अमेरिका से "शायद 20 मिलियन" लोगों को निकालने का संकल्प वैध प्रवासियों को भी बाहर निकाल सकता है। 2022 में अमेरिका में 11 मिलियन अनिर्दिष्ट अप्रवासियों में से अधिकांश एक दशक से अधिक समय से देश में थे। जो बिडेन के पदभार संभालने के बाद से दो मिलियन से अधिक नए आगमन देश में बने हुए हैं। लाखों अप्रवासियों को अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने और काम करने की अनुमति दी गई है, उनका दर्जा रद्द किया जा सकता है। श्री ट्रम्प ने यह भी चेतावनी दी है कि 1798 का ष्पुराना एलियन एनिमीज एक्ट, जो किसी ऐसे देश से गैर–नागरिकों के संक्षिप्त निर्वासन की अनुमति देता है जिसके साथ अमेरिका युद्ध में है, का उपयोग "अमेरिकी धरती पर सक्रिय हर प्रवासी आपराधिक नेटवर्क को लक्षित करने और नष्ट करने के लिए" किया जा सकता है। उनकी योजनाओं में विशाल हिरासत शिविरों का निर्माण भी शामिल है "जो आज तक हमारे द्वारा किए गए किसी भी राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे की परियोजना से भी बड़ा है"। निर्वासन से परे, श्री ट्रम्प ने राष्ट्रपति बिडेन की "खुली सीमाओं" की हर नीति को "समाप्त" करने की कसम खाई है।

मोदी युग के समाप्त होने के आसार नहीं दिखते

ललित

अमेरिकी पत्रकार बॉब वुडवर्ड (वाटरगेट कांड की रिपोर्टिंग के लिए प्रसिद्ध और हाल ही में जो बिडेन के व्हाइट हाउस के वर्षों के संस्मरण वॉर के लेखक) बिल क्लिंटन के बाद से अमेरिकी राष्ट्रपतियों का दस्तावेजीकरण कर रहे हैं। इसका मतलब है कि वह उनके कार्यकाल और उसमें होने वाली घटनाओं के बारे में किताबें लिख रहे हैं, एक तरह का इतिहास जो वास्तविक समय में सामने आता है। हमारे राजदीप सरदेसाई ने पिछले तीन लोकसभा चुनावों के साथ कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने 2014 और 2019 के चुनावों के बारे में रिपोर्टिंग की है और किताबें लिखी हैं और अब 2024– द इलेक्शन दैट सरप्राइज्ड इंडिया शीर्षक से एक खंड लेकर आए हैं। स्वाभाविक रूप से, पुस्तक अभियान के बारे में है, लेकिन यह हमें उस समय से भी गुजारती है। कोविड–19 महामारी और जिस अक्षमता के साथ इसे प्रबंधित किया गया (अब बेशक लंबे

समय से भुला दिया गया है) पर एक अध्याय है। और किसानों के विरोध पर एक और लेख और शायद नरेंद्र मोदी सरकार के पतन का पता 2019 के अंत में शाहीन बाग आंदोलन से शुरू होने वाले उस दौर से लगाया जा सकता है और 2021 के अंत में किसानों के सामने देर से आत्मसमर्पण करने के समय यह चरम पर था। यह मुझे किताब के सबसे दिलचस्प हिस्से की ओर ले जाता है, अंत में, जहाँ सरदेसाई कुछ अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के जवाब देते हैं। उनमें से तीन हैं, पहला यह हैरू क्या मोदी युग समाप्त हो रहा है? सरदेसाई कुछ कारणों से नहीं कहते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि वह इस सवाल को इस नजरिए से देखते हैंरू क्या मोदी दूर जा रहे हैं? इसे देखने का एक और तरीका है, और हम थोड़ी देर में उस पर आएंगे। सरदेसाई लिखते हैं कि ष्दृढ़ संकल्पष और ष्सत्ता में बने रहने के लिए कुछ भी करने की तत्परताष यह सुनिश्चित करेगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करें। वह हाल ही में नीति में किए गए रोलबैक की ओर इशारा करते हैं, जिसमें पार्श्व भर्ती भी शामिल है, जो इसके संकेत हैं। श्री मोदी के "सहयोगी", अर्थात जो लोग उन्हें कार्यालय में समर्थन दे रहे हैं, जैसे कि तेलुगु देशम पार्टी के एन. चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार, उनके पास आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय एजेंडे हैं और वे अपनी व्यवस्था को अस्थिर करने में रुचि नहीं रखते हैं। यह एक और प्लस है। आरएसएस और उसके हितों के बारे में क्या? सरदेसाई कहते हैं कि संघ मानता है कि श्री मोदी भाजपा से अधिक लोकप्रिय हैं (सर्वेक्षणों के अनुसार), चार में से एक मतदाता ने कहा कि वे उनके कारण पार्टी में आए, 2019 से कम जब यह तीन में से एक था। अभी के लिए आंतरिक प्रतिद्वंद्वियों की अनुपस्थिति का मतलब है कि श्री मोदी अपने 75वें जन्मदिन के बाद भी जारी रहेंगे, जो एक साल से भी कम दूर है। इसके बाद, पुस्तक इस सवाल पर गौर करती है कि क्या राहुल गांधी "आखिरकार एक सार्थक राजनेता के रूप में उभरे हैं"। सरदेसाई एक योग्य "हां" प्रदान करते हैं। उनका कहना है कि अतीत से एक बदलाव आया है (यही कारण है कि "आखिरकार उभरे" होने का सवाल ही उठा)। श्री गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और निश्चित रूप से चुनाव परिणाम और संसद के अंदर उसके बाद का बदलाव इसके सबूत हैं। हालांकि, सरदेसाई लिखते हैं कि अभी भी कुछ काम किया जाना बाकी है और राज्य चुनाव हमें श्री गांधी के नेतृत्व गुणों और क्षमताओं के बारे में और अधिक बताएंगे। तीसरा सवाल जो उन्होंने उठाया है वह यह है कि क्या लोकतंत्र "मोदी युग में भी बना रहेगा"? इसे दिलचस्प तरीके से रखा गया है और लेखक दो चीजों को संकेतक के रूप में लेता है। पहला, शब्द के सार्थक अर्थ में आर्थिक विकास में व्यापक कमजोरी और दूसरा, श्री मोदी के तहत अधिनायकवाद की ओर झुकाव। अगर सवाल का जवाब "हां" है तो दोनों को संबोधित करने की जरूरत है। सरदेसाई ने जो कुछ भी कहा है, उसमें से कोई भी अपवाद नहीं है। मोदी युग और क्या यह समाप्त हो गया है, इस सवाल का जवाब देने का एक और तरीका है। मूल रूप से उस युग का क्या मतलब था? यह एक ऐसे व्यक्ति का समय था जो दावा कर रहा था कि वह व्यक्तिगत रूप से बदलाव लाएगा और सरकार में वह लाएगा जो इन सभी दशकों में गायब था। पिछले दशक का एक ईमानदार मूल्यांकन दिखाएगा कि यह झूठ था और इसका प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। आज ज्यादातर भारतीयों की जिंदगी 2014 से अलग नहीं है। आज, 240 सीटों के साथ काम करवाने की श्री मोदी की क्षमता सीमित है, जैसा कि हमने रोलबैक में देखा है। अब यह दावा करने का कोई सवाल ही नहीं है कि वे खघस और अद्वितीय हैं। उनके पास ऐसे मास्टरस्ट्रोक बनाने की क्षमता है, जिसके बारे में कैबिनेट को पता भी नहीं है, जैसे कि हमारी मुद्रा और लॉकडाउन के साथ उनके प्रयोग, जो अब समाप्त हो चुके हैं। अब बहुत समय और ऊर्जा खर्च हो रही है और जैसा कि सरदेसाई कहते हैं, सहयोगियों को संभालने और यह सुनिश्चित करने में खर्च होगी कि कोई आंतरिक असंतोष न हो। वे अब सिर्फ एक और राजनेता हैं और मसीहावाद की चमक हमेशा के लिए चली गई है। वे संभवतः इस कार्यकाल के बाकी समय तक पद पर बने रहेंगे, लेकिन ऐसा उन कारकों की वजह से है, जिन्हें सरदेसाई ने सूचीबद्ध किया है। ऐसा इसलिए नहीं है कि उनके पास अभी भी वह है।

विश्व मधुमेह दिवस पर जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर सीएमओ ने किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्व मधुमेह दिवस'' के अवसर पर इस वर्ष थीम ''Breaking Barriers, GAPS के अन्तर्गत एक जनजागरूकता रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा हरी झन्डी दिखाकर रवाना किया गया। रैली में कुँवर हरिवंश पैरामेडिकल कालेज के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत एक गोष्ठी का आयोजन कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार कक्ष में आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार द्वारा बताया गया कि पिछले कुछ सालों में डायबिटीज के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी इलाकों में डायबिटीज के मरीज तेजी से बढ़ रहे है। जिसकी मुख्य वजह बदलती लाइफस्टाइल खान–पान और शारीरिक व्यायाम में कमी है। डा0 के0के0 पाण्डेय द्वारा बताया गया कि डायबिटीज के कारण नसों, दिल और आंखों पर असर तो पड़ता ही है इसके साथ ही हड्डीयों से जुडी समस्यों जैसे–ऑस्टियोपोरोसिस और फ्रैक्टर का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि शुगर एक बहुत पुरानी बिमारी है, जिसे अपने खान–पान और लाइफस्टाइल के बदलाव से कंट्रोल में रखा जा सकता है। मधुमेह के लक्षण अत्यधिक प्यास लगना, अपरिहार्य वजन में कमी, बढ़ी हुई भूख, थकान महसूस करना, घावों का धीमा भरना इत्यादि लक्षण है। डायबिटीज से बचाव के लिये स्वस्थ्य आहार, नियमित व्यायाम, दवा का पालन, नियमित जॉच, तनाव कम करे, पर्याप्त नींद, पर्याप्त पानी पीये, रक्तचाप नियंत्रण रखने की सलाह दिये गये। उक्त प्रशिक्षण में एन0सी0डी0 सेल से जयप्रकाश गुप्ता, धीरज यादव एवं कुलदीप श्रीवास्तव आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी एन0सी0डी0 डा0 राजीव कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव एवं एन0सी0डी0 क्लीनिक अमर शहीद उमानाथ सिंह, जिला चिकित्सालय जौनपुर के मेडिकल ऑफिसर डा0 के0के0 पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत किसानों को प्याज के बाद अब लहसुन की खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा उद्यान विभाग

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि लहसुन की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत विशेष योजना बनाई गयी है, लहसुन की बढती मांग और कृषको की आर्थिक स्थिति को सुदृढ करने हेतु प्रदेश सरकार से मसाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के तहत जनपद को 250 हे0 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमे 200 हे0 सामान्य व 50 हे0 अनुसूचित जाति के किसानो को देय होगा। किसान इस योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर प्राप्त कर सकते है। इच्छुक कृषक खतौनी, आधार कार्ड, बैक पासबुक की फोटोकापी व 1 फोटो देकर पंजीयन कराकर जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क बीज प्राप्त कर सकते है। कृषक अपना आनलाइन पंजीकरण http://dbt.uphorticulture.in/ पर भी कर सकते है लहसुन का बीज राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली से प्राप्त कर किसानो को उपलब्ध कराया जायेगा। NHRDF से ही मंगाया गया प्याज का बीज किसानों को विररित किया गया जो अब समाप्ति की ओर है। इसके अतिरिक्त शाकभाजी का बीज भी जिसमे फूलगोभी पत्तागोभी, टमाटर, शिमला मिर्च, करैला, खीरा निःशुल्क वितरित किया जा रहा हैं।

छात्रो की विज्ञान मेला प्रदर्शनी से लोगों को दी गई जानकारियां

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जंगीपुर खुर्द के रघुवर गंगा स्मारक बालिका इंटर कॉलेज में तकनीकी विज्ञान मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं की 90 टीमों ने अपने–अपने प्रोजेक्ट को लेकर हिस्सा लिया और लोगों को नई तकनीकियों के बारे में जागरूक किया। बता दें कि कॉलेज परिसर में विज्ञान , तकनीकी पर्यावरण ,साफ सफाई व खानपान ,ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी कृषि यन्त्रो के बारे में छात्रों के छात्राओं की 90 टीमों ने सौ से अधिक प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रदर्शन किया। जिसमें विज्ञान के प्रति आधुनिक जानकारियां ,पर्यावरण संरक्षण ,स्वच्छता, खान पान की प्रोजेक्ट के माध्यम से जानकारी दी। वहीं खाने पीने के नियमों के बारे में बताया। जल एव ऊर्जा संरक्षण को लेकर तमाम तकनीक के प्रोजेक्ट के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। खेती करने की तकनीकी कृषि यन्तो के बारे में भी प्रोजेक्ट के माध्यम से अपने हुनर का लोहा मनवाया। विज्ञान मेले प्रदर्शनी का उद्घाघाटन भाजपा नेता एवं ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव मम्मन ने किया और छात्रों के कला कौशल उनकी प्रतिभा को देखकर सराहना की, कहां की ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस इन्हें तरसते की जरूरत है। उन्होंने बच्चों के प्रोजेक्ट के माध्यम से दी गई जानकारी पर भी विस्तार से बातचीत की उन्होंने कहा कि इसमें से जो टीम अच्छे मैसेज सरल भाषा में देगी उन्हें सम्मानित किया जाएगा । छात्रों के प्रोजेक्ट का हर किसी ने सराहना की। प्रबंधक जगन्नाथ यादव कॉलेज के छात्रों के उपलब्धियां को विस्तार से बताया । उप प्रबंधक राजेंद्र यादव ने अतिथियों शिक्षकों अभिभावको छात्रों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जनार्दन प्रसाद अस्थाना, रामअचल यादव, राजदेव यादव, सियाराम, बृजनाथ प्रधान, जय हिंद प्रधान, उदय राज विश्वकर्मा मौजूद रहे।

16 नवम्बर 2024 को विकास खण्ड बक्शा में रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा कम्पनी एस0आई0 एस0 द्वारा 13 नवम्बर 2024 से 07 दिसम्बर 2024 तक ब्लाकवार विभिन्न तिथियों में पंजीयन हेतु रोजगार मेला कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, तत्क्रम में 16 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड बक्शा परिसर जौनपुर में एवं 18 नवम्बर 2024 को करंजाकला, 19 नवम्बर 2024 को सुजानगंज, 20 नवम्बर 2024 सुईंथाकला में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें भर्ती हेतु सुरक्षाकर्मियों का पंजीयन शिविर आयोजित किया जायेंगा जिनकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, बी0ए0 एवं लम्बाई 168 से0मी0, सीना 80 से 85 से0मी0 तथा आयुसीमा 19 से 40 वर्ष के बीच, अभ्यर्थी का वजन 56 से ज्यादा व 90 से कम होना अनिवार्य हैं, अभ्यर्थी प्रतिभाग कर अर्हता पूर्ण करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते है। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaar sangam.up.gov-in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार हेतु अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

ई–लाटरी से कृषि यंत्रों हेतु 186 कृषको का हुआ चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में गठित कृषि यंत्रीकरण की 15 सदस्यीय जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की निगरानी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उन्नति शील कृषि यंत्रो के 186 लक्ष्य के सापेक्ष ई–लाटरी के माध्यम से 186 कृषको का पारदर्शी तरीके से चयन किया गया। एलईडी लगाकर पहले किसानों को डेमो के रूप में मार्क ड्रील करके दिखाया गया, फिर ई–लाटरी द्वारा चयन किया गया। 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए 107 रोटावेटर, 16 कस्टम हायरिंग सेंटर, तीन कंबाइन हार्वेस्टर, चार स्माल गोदाम, पाच पावर टिलर, 09 लेजर लैंड लेवलर, 11 कल्टीवेटर, पाच स्ट्रा रीपर, सात थ्रेशर, चार मिनीराइस मिल और 15 चौफ कटर के लिए किसानों का चयन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। पारदर्शी तरीके से ई–लाटरी से कृषि यन्त्रो हेतु कृषको के चयन की प्रक्रिया को किसानों ने सराहा। इस मौके पर उपनिदेशक कृषि हिमांशु पाण्डेय, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, एलडीएम, कृषि वैज्ञानिक डा. सुरेंद्र प्रताप सोनकर, जिला गन्ना अधिकारी सहित इन्द्रशेन सिंह, प्रेमचंद मौर्य, कमलेश यादव, जुनेद अहमद, आतीस तिवारी, आशा, मालती देवी आदि किसान मौजूद रहे।

सभी दिव्यांगजन लाभार्थी पेंशन व कुष्ठावस्था पेंशन समय रहते करा ले एनपीसीआई – चंद्रेश त्रिपाठी

अयोध्या। दिव्यांग भरण पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजनान्तर्गत से वे लाभार्थी जो अभी तक आधार बेस्ड पेमेंट प्रणाली से अपनें बैंक मेरे एनपीसीआई नही कराये है वे समय रहते अवश्य करा ले।इस बात की जानकारी देते जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने बताया कि भरण पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) एवं कुष्ठावस्था पेंशन योजनान्तर्गत अनुदान पाने वाले लाभार्थी दिव्यांगजन जो कि वित्तीय वर्ष 2024–25 की पेंशन का भुगतान शासन ध निदेशालय में बेस्ट प्रणालीको माध्यम से किया जाएगा।आधार बेस्ट के माध्यान से पेंशन प्राप्त करने हेतु बैंक एनपीसीआई मैपर की प्रक्रिया पूर्ण कराना होगा। क्योकि आधार बेस्ड पेमेंट में भुगतान मात्र इसी में ही किया जा सकता है।उन्होंने सभी दिव्यांग पेंशन एवं कुष्ठावस्था पेंशन के लाभार्थियों से अपी किया है कि वेट दिव्यांग पेंशन अथवा कुष्ठावस्था पेशन की धनराशि ससमय प्राप्त करने हेतु तत्काल अपने बैंक शाखा पर पहुँचकर अपने बैंक एनपीसीआई मैपर प्रक्रिया पूर्ण कराना सुनिश्चित करे। जिससे आपका दिव्यांग पेशन अथवा कुष्ठावस्था पेंशन आपके खाते में सत्समय प्रेषण की कार्यवाही करायी जा सके।

अमिय कृष्ण चतुर्वेदी की जयंती पर वरदान चौरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा श्रद्धांजलि समारोह, प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) वरदान चौरिटेबिल ट्रस्ट द्वारा अपने संस्थापक प्रबंध न्यासी अमिय कृष्ण चतुर्वेदी की जयंती पर 14 नवम्बर को श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पद्मभूषण पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बीके चतुर्वेदी ने अमिय कृष्ण चतुर्वेदी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।आपको बताते चले बीके चतुर्वेदी कनाडा ,ऑस्ट्रेलिया, जापान, यूरोप ,चीन आदि देशों में भारत के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं ।2004 में प्रधानमंत्री ने उन्हें कैबिनेट सेक्रेटरी के पद का दायित्व सौंपा। वर्तमान में समिति के अध्यक्ष डीपीएस सोसाइटी के अध्यक्ष है। वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध ट्रस्टी भुवन चतुर्वेदी ने ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट की उपलब्धियां का उल्लेख किया किया। मुख्य अतिथि ने चयनित प्रतिभाओं को सम्मानित किया। हरदोई के पूर्व जिलाधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट के लोकमंगलकारी कार्यों की सराहना करते हुए अमिय कृष्ण चतुर्वेदी जी के कुछ संस्मरण साझा किये।पूर्व गृह सचिव एवं वरिष्ठ ट्रस्टी मणि प्रसाद मिश्र ने अमिय कृष्ण चतुर्वेदी के सत्कार्यों को याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा वरदान चौरिटेबल ट्रस्ट के गतिविधियों की चर्चा की । ट्रस्टी अतुल कांत द्विवेदी ने आभार प्रदर्शन किया। ट्रस्टी अतुल कपूर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

प्रतिभाओं को मिला सम्मान,दस हजार रूपये छात्रवृत्ति की चेक

ट्रस्ट के वर्तमान प्रबन्ध न्यासी भुवन चतुर्वेदी, मुख्य अतिथि बीके चतुर्वेदी, हरदोई के पूर्व जिलाधिकारी अवधेश सिंह, पूर्व गृह सचिव आईएएस मणि प्रसाद, अतुल कांत द्विवेदी ,अविनाश मिश्र और आलोकिता श्रीवास्तव ने ए० के० चतुर्वेदी स्मारक दस हजार रूपये की छात्रवृत्ति का चेक 90 प्रतिशत दिव्यांग औरहाईस्कूल परीक्षा में 67 प्रतिशत अंक पप्राप्त करनेवाली छात्रा कुमारी खुशबू को दिया।वहीं शोभनाचतुर्वेदी स्मृति सम्मान के लिये प्रशासनिक क्षेत्र(आई०पी०एस०) में चयन होने पर इशिता गुप्ता के माता–पिता को और खेलकूद के क्षेत्र में राज्य स्तर पर पावर लिफ्टिंग में प्रिया गुप्ता स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त देश तथा विदेश की अनेक चोटियों पर चढकर राष्ट्र ध्वज तिरंगा फहराने वाले जिले के विख्यात पर्वतारोही अभिजीत को विशेष सम्मान से नवाजा गया।

भारतीय पादप कार्य संगठन के नार्थ जोन सचिव बने डा आलोक कुमार सिंह

अयोध्या। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज में भारतीय पादप कार्य संगठन के द्विवर्षीय चुनाव में डॉक्टर आलोक कुमार सिंह ने नार्थ जोन सचिव केवल लिये अपने निकटतम प्रतिद्वंदी डॉ गीतिका श्रीहंडी से 3 गुना ज्यादा मत प्राप्त कर जोनल सेक्रेटरी पद पर निर्वाचित हुए।बताते चले कि डॉ आलोक कुमार सिंह एक अच्छे शिक्षक वैज्ञानिक के साथ–साथ सोशल वर्कर होने के नाते अब साइंटिफिक संगठन में भी अपना शानदार स्थान स्थापित किया।इसके लिए डॉक्टर सिंह ने विश्वविद्यालय के कुलपति, निदेशक प्रशासन व परिवेक्षण कृषि अधिष्ठाता के मार्गदर्शन व सहयोग का प्रतिफल बताया।उन्होंने सभी सहयोगियों का आभार ज्ञापित किया। जिनके कुशल मार्गदर्शन व सहयोग से आठ राज्यों का यह चुनाव सफलतपूर्वक लड़ा व जीत हासिल किया।

डॉक्टर सिंह ने बताया कि आने वाले समय में कैसे सोसाइटी से विश्वविद्यालय में सेमिनार सिंपोजियम, कॉन्फ्रेंस करा पाए, साथ ही साथ आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के नाम को शीर्ष पर ले जाए, इस पर कार्य किया जाएगा। नॉर्थ जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए फसल कार्यकी के फील्ड में हो रहे शोध कार्यों का आदान–प्रदान और विश्वविद्यालय स्तर पर कैसे उसकी गुणवत्ता को और बढ़ाया जाए तथा देश के अन्य बैज्ञानिकों का भी ध्यान आकृष्ट किया जाए इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।डॉ. सिंह की इस सफलता पर विश्वविद्यालय के सह कर्मियों, कर्मचारियों ने डा. आलोक की इस सफलता पर बधाई दी है।

सन्त एस. राम इण्टर कालेज,जानकीपुरम् में बाल दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सन्त एस0 राम इण्टर कालेज,जानकीपुरम् लखनऊ में बाल दिवस के उपलक्ष्य में छात्र एवं छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम विज्ञान प्रदर्शनी, दौड़ प्रतियोगिता कवि सम्मेलन, स्टाल एवं अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डा0 दिलीप लोधी, (सदस्य भारतीय रेलवे बोर्ड, सह संयोजक राष्ट्रीय कार्यक्रम बैठके विभाग भाजपा उ0प्र0) एवं दीपक लोधी, पार्षद जानकीपुरम् तृतीय वार्ड एवं समस्त अभिभावकगण उपस्थित रहे। सभी का स्वागत विद्यालय की प्रधानाचार्या मिथलेश कनौजिया, उपप्रधानाचार्य अमित बाजपेई, शिक्षक/शिक्षिकाएं एवं छात्र–छात्राओं के द्वारा किया गया।

पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद जरूरी – बीएसए

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा बीआरसी परिसर में बुधवार को परिषदीय स्कूलों की ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के शुभारंभ करते हुए बीएसए डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद बहुत जरूरी है।खेलकूद प्रतियोगिताओ के आयोजन से छात्रों में शारीरिक मानसिक विकास के साथ टीम भावना का विकास होता है। बीईओ अजीत सिंह की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिता का फीताकाटकर व हरी झंडी दिखाकर बीएसए ने खेल का शुभारंभ कराया।पचास मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय बन्सफा के राज ,बालिका वर्ग में कम्पोजिट स्कूल सादातबिंदुली की रुचि गौतम प्रथम रहे जबकि भुइला के सचिन व बेलसडी की रिद्धि सिंह दूसरे स्थान पर रही,इसी तरह सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में खपरहा के सचिन व भरतपुर के पीयूष विश्वकर्मा प्रथम स्थान पर रहे दूसरे स्थान पर पोखरियापुर के प्रियांशु प्रजापति व वभनौली के आकाश रहे,सौ मीटर बालिका वर्ग में डमरुआ की रेशमा प्रथम स्थान पर रही।जबकि दो सौ मीटर बालक वर्ग में कम्पोजिट स्कूल सिकंदरा के अम्बुज और बालिका वर्ग में सादातबिंदुली की राधिका गौतम अव्वल रही।बैटमिंटन प्रतियोगिता के बालक वर्ग में प्राथमिक विद्यालय ककोहिया की रचित सिंह व बालिका वर्ग में सैदनपुर की अर्पिता पुष्पाकर प्रथम स्थान पर रही,जूनियर वर्ग बैटमिंटन बालक में यूपीएस भरतपुर के शैलेश गौतम,बालिका में यूपीएस बेलसडी के जीव सिंह प्रथम स्थान पर रहे।लोकगीत प्रतियोगिता पीएस कुल्हनामऊ खास प्रथम,कंपोजिट भरतपुर द्वितीय,बथुआवर तृतीय स्थान पर रही,जबकि लोकनृत्य में कम्पोजिट मानशाहपुर प्रथम व भुइला दूसरे स्थान पर रहे।प्रारम्भ ने मुख्यअतिथि ने माँ सरस्वती का पूजन अर्चन किया ,संचालन प्राथमिक विद्यालय बथुआवर की प्रधानाध्यपिका संयुक्ता सिंह ने मनोहारी सरस्वती वंदना का मनोहारी प्रस्तुति दी। कम्पोजिट विद्यालय सुरुआरपट्टी के बच्चों ने विशेष पीटी प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। बीईओ अजीत कुमार सिंह व प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अमित सिंह द्वारा विजेता टीमो को मेडल व प्रमाणपत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका संयुक्ता सिंह व नूपुरश्रीवास्तव ने किया।

योगी सरकार के प्रदेश के 27000 स्कूलों को बंद करने के निर्णय का ग्रामीणों ने जमकर विरोध आप ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्कूल बचाओ अभियान की शुरुआत आज आम आदमी पार्टी ने करंजकला ब्लॉक के तियरी और खुटहन ब्लाक के ग्राम सभा जमालुद्दीनपुर में हस्ताक्षर अभियान करके किया। योगी सरकार के प्रदेश के 27000 स्कूलों को बंद करने के निर्णय का ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया और हस्ताक्षर अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रोजेक्टर के माध्यम से ग्रामीणों को केजरीवाल सरकार द्वारा बनाए गए दिल्ली के वर्ल्ड क्लास सरकारी स्कूल भी दिखाए। टिहरी गांव के हस्ताक्षर अभियान में सम्मिलित पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉक्टर अनुराग मिश्रा ने ग्रामीणों से कहा कि छात्र संख्या कम होने का मतलब है सरकारी स्कूलों में सुधार किया जाए ना कि सरकारी स्कूलों को बंद किया जाए। आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने ग्रामीणों से पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि आपका सरकारी स्कूल बंद हो जाए सबने एक स्वर में कहा बिल्कुल नहीं अगर सरकारी स्कूल बंद हो गए तो हमारे गांव के बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एच एन तिवारी ने ग्रामीणों को बताया कि यदि इस बार सरकार अपनी इस योजना में सफल हो गई तो प्रदेश के 53000 प्राथमिक विद्यालय बंद हो जाएंगे और यदि इन विद्यालयों में न्यूनतम दो शिक्षक गिने जाएं ,तो आने वाले समय में एक लाख छः हजार शिक्षकों की भर्ती समाप्त हो जाएगी, ऐसे में हमारे टीईटी पास लाखों नौजवान बेरोजगार हो जाएंगे। जिला महासचिव विनोद प्रजापति के नेतृत्व में खुटहन ब्लाक के जमालुद्दीनपुर गांव में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।इस दौरान विनोद प्रजापति ने चौपाल लगाकर ग्रामीणों को यह सूचना दी कि प्रदेश के 27000 सरकारी विद्यालय योगी सरकार बंद करने जा रही है, जिसमें से एक स्कूल जमालुद्दीनपुर का भी होगा। इस पर ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर कर सरकार से यह मांग की कि हमारे स्कूल अच्छे किये जाए ना कि स्कूलों को बंद किया जाए।

जमीनी विवाद के मामले में इजरी गांव पहुंचे एसपी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना अंतर्गत।बुधवार की शाम जौनपुर के पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा एक व्यक्ति की जमीनी विवाद से संबंधित शिकायत पर के इजरी गांव पहुंच गए। वहां पहुंचकर उन्होंने पहले तो मामले का जायजा लिया ।उसके बाद प्रभारी निरीक्षक को मामले को निस्तारित करने का निर्देश दिया।

जानकारी के अनुसार थाना जलालपुर अंतर्गत ग्राम इजरी के निवासी श्री राजमनी उपाध्याय द्वारा जनसुनवाई में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया गया था कि उनके पट्टीदार अतुल उपाध्याय पुत्र स्व0 अमरनाथ उपाध्याय, लालमन उपाध्याय पुत्र स्व0 बेचन उपाध्याय प्रार्थी से जमीनी रंजीश रखते है और आये दिन मार पीट करते रहते है।

इसके संबंध में पहले तो एसपी जौनपुर ने प्रभारी निरीक्षक घनानंद तिवारी जलालपुर से प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त कर स्वयं शिकायतकर्ता राजमनी के घर बुधवार की शाम एस पी जौनपुर डॉक्टर अजय पाल शर्मा जलालपुर के इजरी गांव पहुंच गए और वहां पहुंचकर मामले का जायजा लिया और प्रभारी निरीक्षक घनानंद तिवारी को मामले को निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया।

पांच कांग्रेसी नामजद,दो दर्जन अज्ञात

सुलतानपुर। कलेक्ट्रेट गेट के सामने हुए धरना देने के मामले में पांच कांग्रेसी नामजद दो दर्जन अज्ञात के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ है। बताते चलें कि बीते कल 13 नवम्बर को दोपहर कांग्रेस पार्टी की झण्डे लिए डेढ़ दर्जन से अधिक आकर जिलाधिकारी कार्यालय गेट के सामने चीनी मिल से जुड़े मुद्दे को लेकर धरने पर बैठ गये थे। पुलिस का आरोप है कि धरने से यातायात बाधित हो गया। यह भी आरोप है कि जब ड्यूटी में लगे पुलिस बल द्वारा सिटी मजिस्ट्रेट व अतिरिक्त मजिस्ट्रेट के द्वारा मना किया कि यह आम जनमानस का रास्ता है और यातायात व शान्ति व्यवस्था भंग हो रही है,निश्चित धरना स्थल पर बैठे या अपने साथ लाये हुए ज्ञापन दें तो उपरोक्त लोग उग्र होकर सरकारी कार्य में बाधा डालते हुए हम पुलिस वालो व मजिस्ट्रेट से धक्का मुक्की करने लगे जिससे की आम जन जीवन अस्त व्यस्त होने लगी ।जाम की स्थिति पैदा हो गयी जिसकी पुलिस द्वारा फोटो ग्राफी व वीडियो ग्राफी करायी गयी।उपरोक्त आरोप लगाते हुए नगर कोतवाली पुलिस ने कांग्रेसियों पर आम रास्ता बाधित करने ,सरकारी कार्य में बाधा डालने, धक्का मुक्की करने तथा नियम विरुद्ध प्रदर्शन करने के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कराया है।हालांकि पुलिस ने धरने की पहली पंक्ति में बैठे जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह व पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सैलूजा को नजरअंदाज किया है।

रोहित चौहान हत्याकांड में पीढ़ी परिवार को जान से मारने की मिली धमकी अधिवक्ता पिता पहुंचा पुलिस के पास सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जलालपुर थाना क्षेत्र के संघईपुर (कादीपुर)गांव के बगीचे में 23 सितंबर 2024 को दर्जनों लोगों की मौजूदगी में एक मनबद युवक ने अपने पिता को थप्पड़ मारने वाले अधिवक्ता के 22 वर्षीय पुत्र रोहित चौहान की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दिया।दिनदहाड़े हुई इस हत्या से गांव में हड़कम्प मच गया।मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया था। अब पुनः आरोपियों द्वारा अधिवक्ता को और पूरे परिवार के साथ जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है। ऐसा पीड़ित परिवार वालो और अधिवक्ता का कहना है। हत्या के लगभग ढाई महीने बीतने के बाद गुरुवार को एक बार फिर रोहित चौहान के पिता बाबूराम चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर में अधिवक्ताओं के साथ जमकर हंगामा काटा पुलिस व जिला प्रशासन से आरोपियों की खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया। पीड़ित अधिवक्ता बाबूराम चौहान का आरोप है कि पुलिस इस पूरे मामले में लीपा पोती कर रही है जबकि आरोपियों द्वारा उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस इस मामले में आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। अधिवक्ताओं के नारेबाजी को देखते हुए पुलिस प्रशासन में मौके पर पहुंचकर बातचीत कर उन्हें जल्द ही इस पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया ।इस मामले पुलिस अधीक्षक शहर अरविंद कुमार ने बताया कि अधिवक्ताओं की बात सुनी गई है इस पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी ज्ञापन ले लिया गया है पुलिस पहले ही इस मामले में विधि कार्रवाई कर चुकी है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के क्रू मेंबरों पर अभद्रता का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। दुबई से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस फ्लाइट की यात्री ने क्रू मेंबरों पर अभद्रता का आरोप लगाया है। बुजुर्ग महिला के नागरिक उड्डयन मंत्रालय में शिकायत के बाद एयरलाइंस ने जांच बैठाई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान आईएक्स 194 दुबई से लखनऊ सुबह 11:24 बजे पहुंचता है। रविवार को इसमें सवार अयोध्या निवासी 60 वर्षीय उमा श्रीवास्तव का आरोप है कि उनका सात किलो का बैग रैक से हटाकर अटैची रख दी गई। उन्होंने विरोध किया तो बताया गया कि इसे बाहर ले जाना है। उन्होंने एसी कम करने के लिए कहा तो कोई जवाब नहीं मिला। मांगने पर कंबल भी नहीं दिया। इससे हाथ में दर्द होने लगा तो उन्होंने फर्स्ट एड बॉक्स मांगा, पर वह भी नहीं मिला। उमा ने बताया कि उन्हें कई परेशानियां हैं। इनकी दवा खाने के लिए पानी भी एक घंटे बाद दिया गया।

इतना ही नहीं अमौसी एयरपोर्ट पर उतरने के बाद उन्हें घेरे में ले लिया गया, जैसे वह कोई अप राधी हों। उमा का आरोप है कि इसका विरोध पर उनका हाथ मोड़ दिया गया। उन्होंने नागरकि उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की। उधर, एयर इंडिया एक्सप्रेस के नोडल अधिकारी ने मामले की जांच करवाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बच्चे हमारे देश के भविष्य है - प्रो वंदना सिंह

सुजानगंज। बाल दिवस के अवसर पर आयोजित बाल मेला में आज सभी बच्चों को एक गुरु मंत्र देती हूँ कि आप हर रोज सुबह उठकर योग और व्यायाम अवश्य करे जिससे आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहे फिर आप शिक्षा प्राप्त करे और अपने माता पिता क्षेत्र के साथ स्कूल नाम रोशन करे उक्त बातें मुख्य अतिथि प्रो वंदना सिंह कुलपति पूर्वांचल विश्विद्यालय ने जेपी इंटरनेशनल स्कूल सुजानगंज में आयोजित बाल मेला में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं होती उनमें उन्हें निखारने की जरूरत होती है और बच्चे हमारे देश के भविष्य है वहीं पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मुंगरा बादशाहपुर की पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने कहा कि अध्यापक बच्चों को उचित मार्गदर्शन दें तो बच्चों में सफलता पाने की होड रहती है चाचा नेहरू बच्चों से बहुत प्रेम करते थे जिसके कारण उनका जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है अध्यापकों को बच्चों से प्यार

करना चाहिए ना कि डराना चाहिए जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि जगती है. स्कूल में बाल मेला आयोजित किया गया था जिसमें विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की दुकानें लगाई गई थी जिसमें खाने–पीने की चीजें एवं स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल,न्यायालय घर एवं मंदिर के चित्र नक्शे बंगले आदि बनाए गए थे। इस मेले की विशेषता यह थी कि सभी सामग्री विद्यालय के ही छात्र–छात्राओं द्वारा बनाई गई थी इन सामग्रियों को देखने के बाद लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी मछलीशहर शैलेन्द्र कुमार तथा बाल रोग विशेषज्ञ डॉ मुकेश शुक्ला ने बच्चों के सामग्रियों का अवलोकन किया. और प्रथम द्वितीय और वहीं पर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया जिसमें देश भक्ति गीत एवं राष्ट्रभक्ति गीत दहेज गीत बाल विवाह आदि का मंचन किया गया । इस अवसर पर प्रभाकर मणि त्रिपाठी,मुन्ना मिश्र,डॉ विनय कुमार त्रिपाठी, जितेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कमला शंकर मिश्र ने स्कूल के प्रबंधक तथा सभी अध्यापकों का उत्साहवध र्न करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ जय प्रकाश तिवारी एवं प्रधानाचार्या प्रीति सिंह ने हुए आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बालदिवस के उपलक्ष्य पर माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल में लगाया गया बाल मेला

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

लखनऊ। दिनांक 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस

के अवसर पर माइलस्टोन ग्लोबल स्कूल गोपारामऊ माल दुबग्गा रोड लखनऊ में बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावक सहित बच्चें व अन्य क्षेत्रीय लोग मेलाघ देखने पहुंचे। बच्चों को आत्म निर्भर बनानें के लिए इस मेले को लगाया गया। जिसके माध्यम से बच्चों को आत्म निर्भर बनानें के लिए शिक्षकों द्वारा प्रेरित किया गया। मेले में विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए गये जिसमें चाट, चौमीन, बताशा, बर्गर, समोसे, कोल्डड्रिंक, पांव भाजी, कबाब पराठा, आइसक्रीम, भेल पूरी व मिठाई आदि। जिसमे अभिभावक बच्चे वघ शिक्षक खघ्ब खरीददारी की। बच्चों के मनोरंजन के लिए मेले में विभिन्न प्रकार के गेम व झूलें भी लगाएं गये। जिसका बच्चों ने खूब आनंद उठाया। मेले का उद्घाटन बच्चों के द्वारा फीता काट कर कराया गया। इस अवसर परघ विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती तृष्णा सिंह, प्रधानाचार्य श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव, विद्यालय के संरक्षक श्री वरुण प्रताप सिंह एवं सभी शिक्षक व अभिभावक उपस्थित रहे।

प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का वाराणसी में आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कबड्डी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 नवम्बर, 2024 तक वाराणसी में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के जूनियर बालक कबड्डी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 21 नवंबर को सुबह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। उक्त संबंध में हिन्दुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ अतुल कुमार सिन्हा ने बताया कि जनपद स्तर पर चयनित जूनियर खिलाड़ी ही 26 नवम्बर, 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.30 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता जो वाराणसी में आयोजित हो रही है, में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र

फोटो सहित तथा आयु प्रमाण–पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयनध्परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। खिलाड़ियों का जन्म 01.01.2005 के बाद का हो तथा वजन 70 किग्रा0 या उससे कम होना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए कन्हैया सिंह यादव, अंशकालिक मानदेय कबड्डी प्रशिक्षक (6386089062) से सम्पर्क कर सकते हैं।

लखनऊ में क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी 15 नवम्बर से

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ग्रामश्री संगठन की स्थापना 1995 में गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री, श्रीमती आनंदीबेन पटेल (माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश) द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके उत्थान का समर्थन करना था। महिलाओं के हाथों को हस्तकला के साथ जोड़कर, संगठन ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की 75,000 महिलाओं के जीवन को एक नई दिशा दी है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। यह प्रदर्शनी सफेद बारादरी, केसरबाग, लखनऊ में आयोजित की जाएगी। इसका उद्घाटन 15 नवंबर 2024 को सुबह 10रू00 बजे माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश, श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी तथा उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी द्वारा किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित श्रीमती अनारबेन पटेल (संस्थापक, ग्रामश्री और क्राफ्टरूट्स),

श्रीमती लीना रावल (ट्रस्टी, ग्रामश्री), श्री हसीमभाई (तसर सिल्क, झारखंड), श्री दिनेशभाई सोनी (पिछवाई पेंटिंग, राजस्थान), श्रीमती अर्पिता दास (जामदानी बुनाई, पश्चिम बंगाल) उपस्थित थे। क्राफ्टरूट्स ग्रामश्री संगठन की एक शाखा है, जिसकी स्थापना 2008 में की गई थी, जो पारंपरिक और सांस्कृतिक कलाओं के कारीगरों को एक मंच प्रदान करती है, जो पीढ़ियों से भारत में चली आ रही हैं। यह उनके हस्तशिल्प को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करता है, जिससे कारीगरों को आजीविका मिलती है और इन भारतीय कलाओं की समृद्ध विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है। क्राफ्टरूट्स अब तक भारत के विभिन्न मेट्रो शहरों में, साथ ही दुबई, अमेरिका, सिंगापुर और अन्य देशों में 7 से अधिक प्रदर्शनियों का आयोजन कर चुका है, जिससे भारतीय सांस्कृतिक कलाओं की पहुंच व्यापक हुई है। भारत के हर राज्य से 35,000 से अधिक कारीगरों के साथ काम करते हुए, क्राफ्टरूट्स एक प्रदर्शनी का आयोजन कानपुर में कर रहा है, जिसमें भारत के 22 राज्यों के 100 से अधिक कारीगरों द्वारा 70 से अधिक विभिन्न हस्तशिल्पों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में पट्टचित्र (ओडिशा), लाख चूड़ियाँ (राजस्थान), कांच कला (उत्तर प्रदेश), और लघु चित्रकला (राजस्थान) जैसी कलाओं का लाइव प्रदर्शन भी होगा। यह प्रदर्शनी 15 नवंबर 2024 से 19 नवंबर 2024 तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से रात 9:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

राजगीर के बेटे ने बनाया सोलर सिटी का मॉडल

लखनऊ, संवाददाता। निशातगंज स्थित डायट में मंगलवार को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अतंर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें सरकारी स्कूलों के कक्षा छह से आठ तक के बच्चों ने अपने नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। इस दौरान एक छात्र ने सोलर सिटी का मॉडल प्रस्तुत किए जिसे देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। मोहनलालगंज स्थित बेसिक विद्यालय करोरा में पढ़ने वाले आठवीं के छात्र राजकरण ने प्रदर्शनी में सोलर सिटी का मॉडल प्रस्तुत किया। इस मॉडल के माध्यम से छात्र ने बताया कि हम किस तरह से कम बजट में एक सोलर सिटी को स्थापित कर सौर ऊर्जा का सही इस्तेमाल कर सकते हैं। छात्र का यह मॉडल प्रथम श्रेणी में चयनित हुआ। राजकरण ने बताया कि उसके पिता छोटेलाल राजगीर हैं। वे घर बनाने का कार्य करते हैं। उसका सपना है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करके पिता का नाम रोशन करे। प्रदर्शनी के दौरान उप शिक्षा निदेशक अजय सिंह, बीईओ मुख्यालय राजेश सिंह और जिला समन्वयक अवधेश शुक्ला भी मौजूद रहे।

छात्रा ने बनाई पोर्टेबल क्लॉथ ड्राय मशीन

सरोजनीनगर ब्लॉक के पूर्व माध यमिक विद्यालय खटोला की आठवीं कक्षा की छात्रा वैशाली ने पोर्टेबल क्लाथ ड्राय मशीन का निर्माण किया है। इसकी खासियत है कि आप गीले कपड़े।

विधायक पंकज गुप्ता ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को ई.सी. सी.ई.सामग्री और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र किया वितरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी, उन्नाव में तीन दिवसीय प्रशिक्षण आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ताओ को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत खंड विकास कार्यालय सभागार में दिया गया। दिनांक 13/11/24 समापन दिवस मे विधायक पंकज गुप्ता द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को ई.सी. सी.ई.सामग्री और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग से डॉ, कीर्ति, डॉ वीनिता उपस्थित रहे जिसमे बाल विकास परियोजना अधिकारी नीलम साहू, मुख्यसेविका गीता गुप्ता, लक्ष्मी राणा, नयनप्रभा सोनकर, और शिक्षा विभाग के प्रशिक्षक गणेश प्रसाद, अंकिता त्रिपाठी ने भी प्रतिभाग किया। उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का उन्मुखिकरण किया गया।

फैक्टरियों की चिमनियां 20 फीट और ऊंची होंगी

लखनऊ, संवाददाता। हवा की सेहत को सुधारने के लिए तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरियों की चिमनियां 20 फीट और ऊंची की जाएंगी। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस बाबत निर्देश दिए हैं। राजधानी में दिवाली के बाद से हवा की सेहत नासाज है। यूपीपीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी यूसी शुक्ला ने बताया कि शहर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए इन फैक्टरियों को अपनी चिमनियों को 20 फीट ऊपर करने का मौखिक निर्देश दिया गया है। हम लिखित तौर पर भी इसे भेज रहे हैं। जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देश पर नगर निगम समेत राजधानी की अन्य एजेंसियां भी प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास में लगी हैं।

128 में से 8 इकाइयों में लगी है चिमनी

तालकटोरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष यूनुस सिद्दीकी ने बताया कि तालकटोरा में कुल 128 इकाइयां हैं। इनमें से आठ इकाइयां ऐसी हैं, जिनमें चिमनी लगी है।

सभी चिमनियां तय मानकों के अनुसार लगी हैं। बॉयलर की क्षमता के मुताबिक किसी की चिमनी 100 तो किसी की 130 फीट ऊंची है। कानूनन हमें चिमनी ऊंची करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। फिर भी प्रशासन ने एहतियात के तौर पर चिमनियां ऊंची करने के लिए कहा है। इसके लिए पहले पूरी चिमनी को खोलना पड़ेगा। इसके बाद ही उसकी ऊंचाई बढ़ाई जा सकती है। इस काम में 10–15 दिन लग सकते हैं। उद्योगों से प्रदूषण नहीं हो रहा है। तालकटोरा के मुकाबले लालबाग में हवा की गुणवत्ता कहीं ज्यादा खराब है।

लालबाग की हवा हुई खतरनाक

राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) यूपी के सघन बसे उद्योगों वाले शहरों–गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेनो की तरह दर्ज हो रहा है। मंगलवार को लखनऊ का औसत एक्यूआई 243 दर्ज हुआ। लालबाग की हवा की गुणवत्ता लाल श्रेणी (एक्यूआई 321) में पहुंच गई। ऐसी हवा सेहत के लिए नुकसानदायक होती है।

इस आधार पर तय होती है हवा की सेहत

पांच हानिकारक प्रदूषकों की मात्रा के आधार पर हवा की गुणवत्ता और वायु गुणवत्ता सूचकांक तय होता है। ये पांच प्रदूषक हैं– कार्बन मोनो ऑक्साइड, धूल के कण, सल्फर डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड और वायुमंडल के निचले स्तर में मौजूद ओजोन। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का जितना ज्यादा होता है, वहां की हवा हमारी सेहत के लिए उतनी ज्यादा नुकसानदायक और जहरीली मानी जाती है। नगर निगम के पर्यावरण अभियंता संजीव प्रधान ने बताया कि जिन इलाकों में ज्यादा एक्यूआई दर्ज हो रहा है, उनमें नगर निगम की दस मशीनें प्रदूषण नियंत्रण में लगी हैं।

मीट कारोबारियों के ठिकानों में खुलासा, 1200 करोड़ नगदी का हिसाब नहीं

लखनऊ, संवाददाता। मीट कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के बाद हुई जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। आयकर विभाग ने उच्चाधिकारियों को भेजी अपनी गोपनीय रिपोर्ट में कहा कि इन कंपनियों ने 1200 करोड़ रुपये नकदी को कहां खपाया है, इसका जांच में पता नहीं चल सका है। इतना ही नहीं, ये कंपनियां कश्मीर की निजी सुरक्षा एजेंसियों की सेवाएं ले रही हैं, जिनकी भूमिका संदिग्ध है। ये देश की सुरक्षा के लिए खतरे का सबब बन सकता है, लिहाजा उच्चस्तरीय जांच कराना जरूरी है। आयकर विभाग ने दिसंबर 2022 में बरेली के मारिया ग्रुप, रहबर ग्रुप, अल–सुमामा ग्रुप, लखनऊ एवं उन्नाव के रुस्तम ग्रुप और आगरा के एचएमए ग्रुप के ठिकानों पर छापा मारा था।

संभल के प्रवीण रस्तोगी ने मीट कंपनियों को मनी लांड्रिंग के जरिए 524 करोड़ रुपये की नकद दिए थे। रहबर ग्रुप की 68 करोड़ की काली कमाई का खुलासा भी हुआ। साथ ही, रुस्तम ग्रुप का 535 करोड़ रुपये और मारिया ग्रुप की 102 करोड़ रुपये की बोगस बिक्री का पता चला।

ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव के घर जिला प्रशासन का नोटिश चस्पा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव हत्याकांड के आरोपियों के घर पर जिला प्रशासन ने आज नोटिस चस्पा की है। आरोपियों ने ग्रामसभा के जमीन को कब्जा करके अपना आशियाना बना लिया है। जघन्य हत्या के बाद जिला प्रशासन ने जांच कराया तो वो सरकारी जमीन निकली। बुधवार को जिला प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण को हटाने का नोटिस चस्पा किया साथ ही अर्थदंड भी लगाया है। नोटिस चस्पा होते ही इलाके में हड़कंप मच गया है। इस अवैध अतिक्रमण में जल्द ही बाबा का बुलडोजर चलने की प्रबल संभावना जताई जाने लगी है। मालूम हो कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबिरुद्दीनपुर गांव में बीते 30 अक्टूबर को जमीनी विवाद के चलते 16 वर्षीय ताइक्वांडो खिलाड़ी अनुराग यादव की दबंग पड़ोसियों ने धारदार तलवार से वार करके उसका सर धड़ से अलग कर दिया था। अनुराग यादव के हत्या आरोपियों के द्वारा अवैध बंजर भूमि पर बने मकान पर बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस की गई चस्पा। इस मामले में राजस्व टीम द्वारा आरोपी के अवैध बंजर की भूमि पर बने मकान पर बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस चस्पा की गई। बुधवार को तहसीलदार सदर कोर्ट से राजस्व कर्मी केसी मौर्य और मनोज श्रीवास्तव कबीरुद्दीनपुर गांव में पहुचे। राजस्व टीम ने अनुराग यादव के हत्या के आरोपी लालता यादव के द्वारा बंजर भूमि पर अवैध रूप से बनाये गए मकान पर तहसीलदार कोर्ट में बेदखली के दर्ज मुकदमे की नोटिस प्रधान प्रतिनिधि ा वीरेंद्र यादव और लगभग 30 की संख्या में पहुचे ग्रामीणों और परिजनों की उपस्थिति में उनके सामने चस्पा की गई। नोटिस चस्पा होने के बाद ग्रामीणों और परिजनों में अवैध मकान पर कार्यवाही होने की उम्मीद जग गयी है।

संक्षिप्त खबरें

तालाब मे मिला शव सूचना पर पहुंची पुलिस समाचार लिखे जाने तक नही हो सकी थी शव की शिनाख्त

सुल्तानपुर। जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर करौंदीकला थाना क्षेत्र के गोपालपुर सराय ख्वाजा गाँव के तालाब में मिला युवक का का शव। सूचना पर पहुंची मौके पर पुलिस, चल रही डेड बाडी घ्की शिनाख्त की कार्रवाई। शव की नहीं हो सकी शिनाख्त, भट्ठा मजदूर के जलने की आशंका। करौंदीकला कोतवाल उपेंद्र सिंह बोले, पीएम रिपोर्ट के लिए भेजी जा रही डेड बाडी। जल्द किया जाएगा मामले का खुलासा।

विरोध के चलते टला अतिक्रमण अभियान

लखनऊ, संवाददाता। भारी विरोध के चलते नगर निगम ने मंगलवार को इंदिरानगर के सेक्टर 17 में सब्जी मंडी वाली रोड के नाले पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान नहीं चलाया। अब किसी और दिन अभियान चलाया जाएगा। इंदिरानगर के सेक्टर 17 में सब्जी मंडी तो मुख्य मार्ग से अंदर है, लेकिन मुख्य मार्ग पर बने नाले पर पटरी दुकानदार कब्जा दुकानें लगा रहे हैं। इसे हटाने को लेकर स्थानीय निवासी काफी समय से मांग कर रहे हैं। इस पर अभियान चलाया जाता है, लेकिन कुछ दिन बाद फिर से कब्जा हो जाता है। मंगलवार को फिर से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाना था। हालांकि, दुकानदारों को पहले ही इसकी जानकारी हो गई और उन्होंने दुकानें नहीं लगाई और मौके पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जोन सात के जोनल अधिकारी आकाश कुमार ने बताया कि मंगलवार को महापौर की समीक्षा बैठक थी। जोन के अधिकारी बैठक में थे। इस कारण अभियान स्थगित किया गया। अगली तिथि पर पुलिस बल के साथ अभियान चलाया जाएगा।

अनियंत्रित कार ने बच्चों से भरे दो ई रिक्शा में मारी टक्कर

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आलमबाग इलाके के अंर्तगत सुबह करीब आठ बजे फतेहअली की ओर जा रही कार ने पीछे से स्कूल के बच्चों को लेकर जा रहे ई– रिक्शा नंबर UP32 MM 2258 व ई रिक्शा नंबर न्च 32 फछ 2293 को राजकीय उद्यान के सामने टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त होकर पलट गये। इससे ई रिक्शों में जा रहे स्कूली बच्चे घायल हो गए। आनन फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी देने के साथ ही रेस्क्यू अभियान चलाकर ई रिक्शे के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकलवाया और पुलिस की मदद से इंदौर रेलवे हॉस्पिटल फतेहअली में उपचार हेतु भर्ती करवाया। जहां पर उनका इलाज हो रहा हैं। ई रिक्शे में सवार छात्र सीएमएस और लखनऊ पब्लिक स्कूल के थे। हादसे में घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। घायल 12 छात्रों में से चार को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है। आठ छात्रों का इलाज इनडोर अस्पताल में चल रहा है। घायल चार छात्रों को रेफर किया गया है।

छह साल दबाए रखी फाइल अमीन निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। भूमि अर्जन की अहम पत्रावली छह साल तक दबाए रखने वाले अमीन अभिजीत सिंह को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने मंगलवार को निलंबित कर दिया। आरोपी के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए गए हैं। विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि गोमतीनगर विस्तार के ग्राम–मलेशेमऊ की जमीन से संबंधित पत्रावली पर तत्कालीन उपाध यक्ष ने अहम निर्णय लिया था। अमीन अभिजीत ने अहम पत्रावली को छह सालों तक दबाए रखा। इस दौरान किसी उच्च अधिकारी के समक्ष पत्रावली प्रस्तुत नहीं की। निलंबन अवधि तक आरोपी कर्मचारी अधिष्ठान अनुभाग से संबद्ध रहेगा।

इंतजार करती रही जांच कमेटी, नहीं आए अस्पताल संचालक

लखनऊ, संवाददाता। खदरा स्थित केडी अस्पताल और इंदिरानगर के जन कल्याण नेत्र अस्पताल के संचालक बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को सीएमओ ऑफिस नहीं पहुंचे। अफसरों का कहना है कि दूसरा नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद भी संचालक नहीं आए तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की संस्तुति होगी। साथ ही दोनों अस्पताल का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। केडी अस्पताल में सर्जरी से पहले लखीमपुर खीरी की पूनम मौर्य (32) की मौत हो गई थी। परिवारीजनों ने अस्पताल संचालकों व डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए सीएमओ से शिकायत की थी। इसके 10 दिन बाद सीएमओ की टीम सोमवार को अस्पताल पहुंची थी तो वहां ताला लगा था। अस्पताल का बोर्ड तक गायब था। टीम ने अस्पताल संचालक रवि श्रीवास्तव को व्हाट्सएप पर नोटिस भेजकर तलब किया था। इसके बावजूद वह मंगलवार को सीएमओ ऑफिस नहीं पहुंचा। उधर, जन कल्याण नेत्र हॉस्पिटल में आंख की सर्जरी के दौरान अमन मिश्रा (10) की मौत हो गई थी। इसकी जांच कर रही कमेटी ने अस्पताल प्रबंधन को इलाज से जुड़े दस्तावेजों के साथ बयान दर्ज करने के लिए बुलाया था। हालांकि, अस्पताल से कोई प्रतिनिधि नहीं आया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।